

संख्यावाचिशब्दाः (१-१०)

प्रस्तोता : रवि उपाध्यायः

-प्र.स्ना.शि. (संस्कृत/हिन्दी)

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-१, तारापुर

संख्यावाचकाः

सङ्ख्यावाचकाः

एकम्	-	१
द्वे	-	२
त्रीणि	-	३
चत्वारि	-	४
पञ्च	-	५
षट्	-	६
सप्त	-	७
अष्ट	-	८
नव	-	९
दश	-	१०

उदाहरण

एकं पुस्तकम्।



द्वे नेत्रे।



त्रीणि गृहाणि।



उदाहरण

चत्वारि यानानि।



पञ्च फलानि।

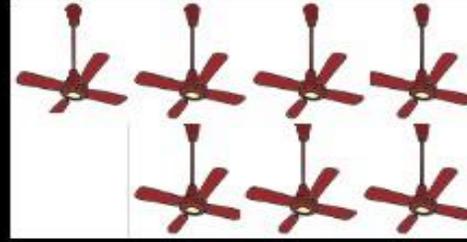


षट् मित्राणि।

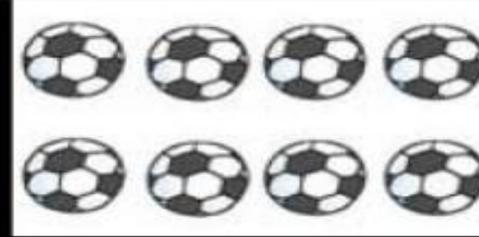


उदाहरण

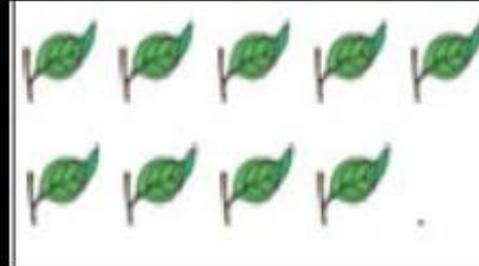
सप्त व्यजनानि।



अष्ट कन्दुकानि।

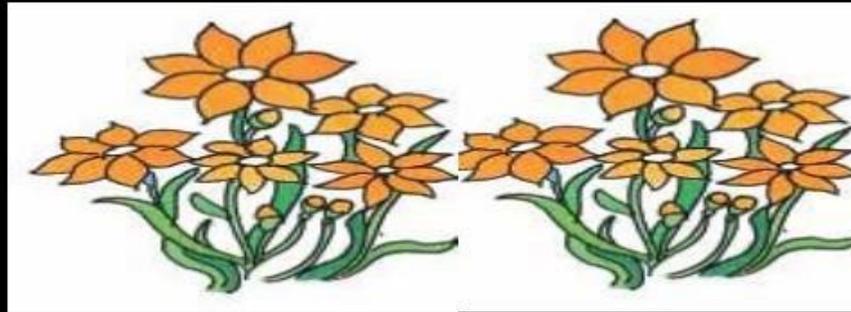


नव पत्राणि।



उदाहरण

दश पुष्पाणि।



संख्या में लिंग के अनुसार परिवर्तन

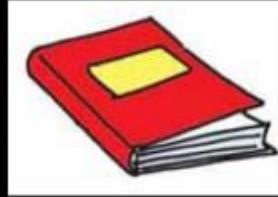
एकः बालकः।



एका बालिका।



एकं मुस्तकम्।



पुंलिङ्गे

स्त्रीलिङ्गे

नपुंसकलिङ्गे

एकः

एका

एकम्

द्वौ

द्वे

द्वे

त्रयः

तिस्रः

त्रीणि

चत्वारः

चतस्रः

चत्वारि

एक से लेकर चार तक की संख्याओं में लिंग के अनुसार संख्यावाची शब्दों में परिवर्तन होता है। उसके बाद 5 व 5 से आगे सभी लिंगों में संख्यावाची शब्द समान ही रहते हैं।

पुल्लिङ्ग

पुंलिङ्गे -

एकः बालकः।



द्वौ चषकौ।



त्रयः वृक्षाः।



चत्वारः अध्यापकाः।



स्त्रीलिङ्ग

स्त्रीलिङ्गे -

एका बालिका।



द्वे द्विचक्रिके।



तिस्रः मालाः।



चतस्रः महिलाः।



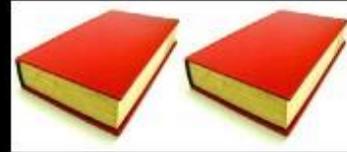
नपुंसकलिङ्ग

नपुंसकलिङ्गे -

एक पुस्तकम्।



द्वे पुस्तके।



त्रीणि पर्णानि।



चत्वारि फलानि।



चतुः पर्यन्तं लिङ्गानुसारेण सङ्ख्यावाचिशब्देषु परिवर्तनम्।

एक से लेकर चार तक की संख्याओं में लिंग के अनुसार संख्यावाची शब्दों में परिवर्तन होता है। उसके बाद 5 व 5 से आगे सभी लिंगों में संख्यावाची शब्द समान ही रहते हैं।

समानरूप

पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	नपुंसकलिङ्गे
पञ्च	पञ्च	पञ्च
षट्	षट्	षट्
सप्त	सप्त	सप्त
अष्ट	अष्ट	अष्ट
नव	नव	नव
दश	दश	दश

इत्यादीनां त्रिषु लिङ्गेषु समानानि रूपाणि भवन्ति।

पुंलिङ्गे – पञ्च बालकाः।

स्त्रीलिङ्गे – पञ्च बालिकाः।

नपुंसकलिङ्गे – पञ्च यानानि।

5 व 5 से आगे सभी लिंगों में संख्यावाची शब्द समान रहते हैं।